



Folios 102.



Size -
10.3 cm x
8.8 cm

2040



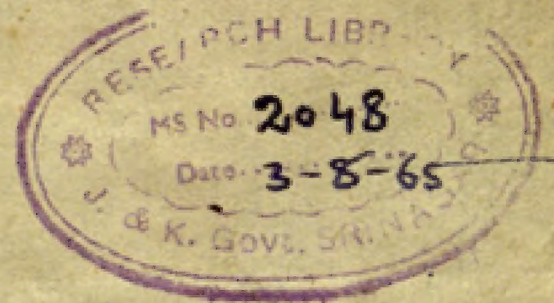
Folios 102.

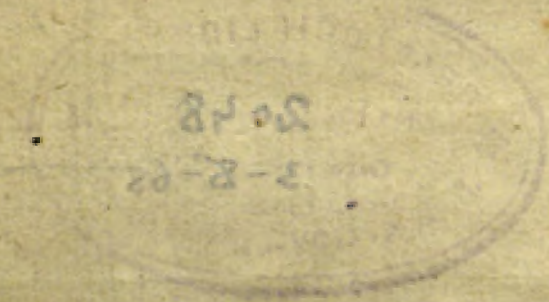


Size -
10.3 cm x
8.8 cm

2040

1100









विनमस्ति प्रभु चंद ॥ विष्णु चंद्रमा
चंद्रपती भट्टललाष्टकं ॥ मेलांकी कवि
भवभूते विरचित भट्टललाष्टकः ॥ अपभ्रंश
विष्णु चंद्रमा विष्णु चंद्रमा मेः भट्टललाष्टकं ॥
विष्णु चंद्रमा भट्टललाष्टकं विष्णु चंद्रमा
विष्णु चंद्रमा ॥ ॥ यथा ह्यहं भूमी ललाटललाट

त्रिभिर्भुविनी ॥ यत्नीलपुष्पमोक्षितवभ
 म्भक्तं भक्तदत्तवयम् ॥ मन्त्रिः जगत्पुलनीतिवि
 म्भक्तं ननष्टाभक्तचक्रं भक्तं ॥ सुहेतुं नष्टः भक्तं
 मन्त्रिणी गठं भक्तं नष्टः ॥ ३ ॥ सुभक्तं भक्तं
 भक्तं भक्तं भक्तं भक्तं भक्तं भक्तं ॥ येन भक्तं
 भक्तं भक्तं भक्तं भक्तं भक्तं भक्तं ॥ ३ ॥

पिस्वमेवमेविउरभाएउउवाउपूदे॥वमः॥
किधुणरभएवधुमेनिहउिवहधुएउ॥३॥
यविहउवकभराएभभरंभहकरंनिधुलं॥
उहुरभुउमिहवैडिविरलःकस्मिधुएमुकुवि॥
उएनंभुडिभचभहउभभयहूडयडिडिहः॥
भुरभुभुएवभदभुएयिउंनैहैसुरतिभु

दभ॥॥यडुहैवभंभुचडिकरल्लदधुभु
कचंभुय॥॥भुडोयंउमंनभभिमनभधुहोए
मिधुभुठभ॥॥भुभुचेपिभरभुडोभनगडेए
हधुविडिउय॥॥नेःसद्धेगिरिवउडेभनियउ
येगंविनमिहिरः॥॥॥एकैकंउवमेविभी
एभनभंभहूहूनहूहूनं॥॥कुएभंयदि

वप/षड्भगडंयदुभिउंष्टुभउ॥यंयंकभ
 भपेकयेनेभनभाकेनपवामिडिउं॥लपुं
 वमठलीकरोडिभकभाउंउंमभुंनलभा॥॥
 वमभुभुकणरिमीभठयमंभकधुलंमकि
 ल॥ठउंठेभरदनपमलकरंकरुउंठेन
 लभा॥ठल्लुभुभुलपडकाडिनयनभिभु

५०॥लेकिनी॥यहभभुनमीलयडिभनभा
 उधंकरिहंउडः॥॥यहंभभुभुभुभुभु
 कभएलभभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 उधुविरिभिरिभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 विरुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 उधंभरडिठरगीभरभरिभुभुभुभुभुभुभुभु

मंजु

पडा॥५॥योभक्षुरपरागपुष्पमिदिहंइडं
भाहूमिभ॥धुचोमपिविलीनयवकरभ
धुधुभभयभिव॥पष्टुडिक॥मधुनतुभन
भभुधभनननरुक्तुहधुकरनमवक
यमेवष्टुठवडिधुवः॥७॥पष्टुहुनजु
लनदपराभक्तुकक्षीधुल॥वेहंमडभि

उन्नतेक॥मपिष्टुयडिउहृष्टिडिभा॥उधं
वेमधुविहभभनःधुगीठवडिमिरं॥भहृ
कुल्लकलडलडरलःउहंठलडुवियः॥०॥
उहुष्टममिपधुभडिडलललललललललललल
धुलं॥भनुकधुभवक॥धुधुधुधुधुधुधुधुधुधु
धुभिनी॥इंष्टुयडिमडुल्लललललललललललल

उद्धृते॥ अष्टनिधवलिः यद्भिः उद्धृते॥ उद्धृते॥
 विद्धते॥ १०॥ एतेषु लुपति विद्धते॥ विद्धते॥
 मत्तुभ्यं हजले॥ निःसंभवा निगच्छति॥ भद्र
 यो लभ्यते॥ भद्रः॥ यद्भिः उद्धृते॥ यद्भिः उद्धृते॥
 भद्रः॥ यद्भिः उद्धृते॥ यद्भिः उद्धृते॥
 विद्धते॥ भद्रः॥ यद्भिः उद्धृते॥ यद्भिः उद्धृते॥

भुक्तं न विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥
 विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥
 विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥
 विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥
 विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥
 विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥
 विद्धते॥ विद्धते॥ विद्धते॥

परापरकलंभतुष्टप्रविष्टे॥यंयंपूज्य
उभयःभिरुपियं॥उधंतावप्रव॥उंउंभि
द्विभवाधुवन्तिउरभाविप्रैरविप्रोड्डः॥०८॥
मधुनंलाननीहमरुठवनेकुसुमिनीहृष्ट
म॥इतुःकमिस्वभरधुवउयेधुविह्वन्ति
धुम॥लीयत्रोपलुयइकल्यविमभूक

नयधुप्रभी॥भाहंकमिद्विह्वकपमदिभ
मक्तिःपरागीयमे॥०५॥देवानंहिउयंइयी
रुडउरमक्तिधुयंहिभर॥धुलेहंहिपदी
हिप्रधुमभवेहिइधुवल्धुयः॥युक्तिधुल
गतिहिनियमिडंयधुहिनभूक॥उडुचहि
धुवतिनभठगवहउडिडेडुडः॥०७॥लंकी

गङ्गा कुल्लेला यंगर ॥ ७ ॥ वि के भङ्ग गी भयुनि ॥ ८ ॥
 हृदयि भमय कालि मवंगी कङ्कुर कुन गिगे ॥
 कुत पूत पिमय लभुक ठय भङ्ग भङ्ग ठे रवी ॥ ९ ॥
 हृमे दे हि पुरां डर डि वि भम भुग मते य प्रवे ॥ १० ॥
 भयङ्ग डालि नी द्विग भयु भङ्गी काली कल
 भालिनी ॥ भङ्ग डाली विरग यग यग ठ ग व भङ्गी

वीमि वामा भुवी ॥ मङ्गिः मङ्गु वल्लुठ हिनय
 न वामा दिनी ठे रवी ॥ हो कगी हि पुरा पुरा प
 र भयी भङ्ग डाली कङ्कुर ॥ ११ ॥ डाले पङ्कुर विठेः
 धर भयु डाले द्विग भङ्ग कुरः ॥ कङ्कुरः कङ्कुर
 गङ्ग भयु दिनि ठे रवी कङ्कुर डाले भुः भुः ॥ न भङ्ग
 नि हि पुरे ठ व डिग यल यग डाले पङ्कुर विठे ॥ १२ ॥

हेतुवपदि विमडिभदुहः परहेनमः ॥७॥
 नेहृनिधुः सुगिरियेडहभनधुदं ॥
 कण्डहिप्रहेनहभनमेयहृदुदुःधुदभा ॥
 एकदिहिधदुमे कविउदुदुभभुदुकरः ॥
 भउदुगविविचिमेधभदिडभउधुदु यवि
 उ॥७॥ भवहंनिरवहृभभुदुदुदुकिंन

यपिउय ॥ उनेधेभभंभठिठिनरेयधुदि
 ॥ उदिधुयि ॥ भउदुहपिलधुदुभभुदुनिदुकेभभु
 यभनदं ॥ उदुदुभुपमेउउनेगमिउयभन
 यर्गभभभ ॥७॥ उनधुदुधुदुधुदुभभुदुभ
 उंभेलिदुननिदिउंभदिधभुदुधु ॥ पधुधु
 लंउवउभविदुययभभुभभुदुभभुदुभ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भेदं विना विदुः
जीवन्मुक्तेः ॥ द्वितीयोऽयं विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भेदं विना विदुः
जीवन्मुक्तेः ॥ द्वितीयोऽयं विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥
देवदत्तः ॥ ॥ यद्विदुः ॥ यद्विदुः ॥

ॐ
ॐ

वपिपुवनहिउयोपकीष्टिः॥१॥कल्
कूमभभवकल्किउमिहप्ररुपुमोभिउभि
यउभभदरकुगीडिभा॥निहठवनिठव
डीभुभवी॥यडिपिहृयः कनकमेल
उदगवदे॥२॥लक्ष्मीरमीकर॥कम
मिकामिनीनाभक॥३॥डिकरु

मभिहृभडः॥नीरुभेदडिभिरहिउभ
दीपेदीवहृमडि॥४॥डेलयडिभुभाः॥५॥
मरिहृमडिनापेरडुयेभयुपः॥६॥
गुभेडिकदेमेभुमभुमडि॥७॥मरानडिहृ
डिकवेभुमभुमगी॥८॥भीभडुभीभिउभ
मभुवकयिडंयेः॥९॥भविभुमडिदिनी

+ पञ्चमभौषिधकण्ड
+ ५५

पिठिकडिअंभएललएभभरायगरमि
पिरभाहव्वरुमिपुपिरुडडकिमिकरुड
पंहेडिहमेडदिमभधुपदंडुदीवभा॥०॥मि
दुरपंभुपएलहुगिडमिवहंहुडएभा
एडरभअपिडमिचेवीभा॥यःपहुडि
कमभपिडिपुवविदयहीहंभाहानि

धमलधुभनभुलडि॥०॥भउहुहुभपि
यःभरडिधुपलकरभभसरडुडुनिकं
हवहः॥एयहुनहुभनभधुभनडुडु॥०॥
डुकरभभउविरेयधमेनयेधमिहुनगडि
डभरेएएउउकरि॥दीपुंहुदिधुवडिदे
विवधुधुदीयंएयडिडनिकमभौदिडमि

दूभाष्टः॥०॥यमिदुयतुनममकुलभष्ट
 वडिदुभंडवभुनवयवकपदुभिदुभा॥३॥
 भमेचकुभुभासुपरापठिनवकेकुलभा/नद
 मेवमगभुवडि॥०५॥मचामिभचरानवडि
 उपभधभकेपदुसुदसुविविडुभिडवेइलसि॥
 निधपभुडिदुलनभानभरुलदंभिदंभि॥

दूभापदभनकविणंरानवभु॥०॥इदुभिनी
 डिभुभनडडिजुइलीडि॥इभालिनीडिकु
 भलेडिकलभडीडि॥इकाभिनीडिललिड
 इपराभिलेडि॥देविडुवडिडिदिलयेडिदु
 येदुभेडि॥०॥॥उदुभकाभपरभाडुभवेर
 धडुमइदुडिडुडिभुपाभिडधडुकरभा॥

०३

[illegible]

५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥
मिडा मुच... ये भुङ्क्ते भूतिं जगन्निह दुःखं लनया
उगी कुरु यत्तु हस्तं नृपस्य मभे ॥ उरुभिर्द्वय
अननुमिति डा मे द विभा न भूड ॥ ३६ ॥ यः धुरे
मेडक वरा भरभी सु रा याः सेय भूरं पठित्वा यदि
वाम्भे मिडि ॥ इष्टे दिवं तल डि ग र्ण ठि नी कु डे मे

[illegible][illegible]

अथ नाना कुत नये धि लूनः ॥ किं उच्यते कवे डि
 मे विहृ कये यथु मन्त्रु मे ॥ ५ ॥ विष्णु श्रुति न
 यदु मी श्रुत उ डि भु ७ वन त्रु मूयः ॥ मन्त्रुः म
 डि रि डि हिले क ए न नि ह य व डे सु डि डिः ॥
 उं मन्त्रु धि मन्त्रु व डि य मि भाः कृदू ह ले व
 पि ॥ हृदु ज न धि न मे ॥ धि मन्त्रु भुदू धि मि

हं मन्त्रु ॥ ७ ॥ उं चे हृदु गं भां ग मन्त्रु मन्त्रु
 य मन्त्रु न नि ॥ ८ ॥ उं हृदु मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु
 धि मन्त्रु मन्त्रु धि मन्त्रु ॥ ९ ॥ मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु
 मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु ॥ १० ॥ मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु
 मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु ॥ ११ ॥ मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु
 मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु ॥ १२ ॥ मन्त्रु मन्त्रु मन्त्रु

५५

चैत्रद्वितीयेतिवममपहृष्टपिडैरिव॥५॥
 यैरिवनिमिडंउववपुत्रायतिसेसुदृगमि
 उत्रविदिताडितापरिषदभुमभदमेरिडि ॥५॥
 यमभ्ररडिउरलंभदमेरुमजौपुडिपडक
 विमंडक॥५॥मम॥गालवेरदल
 निरिभल्लयजौउडुंएगद्वयडिमेडमिडा

[illegible]

भवतुं भूलेयथाहुः सिधं ॥ वदन्ती ममा
 उं भवेत्तु वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म

५००

५०० ॥ वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म
 वदन्ती भवेत्तु भवेत्तु भवेत्तु ॥ सुखि च म

५००

* धूपुडेवडि ॥०८॥ किंकिंदुःपंदरुण
 लिनिकीयडन ॥ ॥ ॥ कककीडिः
 जलकभालिनिष्ट ॥ ॥ ॥ क
 कभिटिः धरवर डडू ॥ ॥ ॥ क
 ॥ ॥ कंकंयेगं हयिनमिडडुमालमि
 डयम ॥०५॥ यदेविडरडडुभाप

डरधूपुडेवडि ॥ ॥ ॥ कककीडिः
 धूपुडेवडि ॥ ॥ ॥ कककीडिः
 धूपुडेवडि ॥ ॥ ॥ कककीडिः
 धूपुडेवडि ॥ ॥ ॥ कककीडिः
 धूपुडेवडि ॥ ॥ ॥ कककीडिः
 धूपुडेवडि ॥ ॥ ॥ कककीडिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ
ॐ

ॐ वं गी विने डि ॥ ३ ॥ हे भो वि वि वि वि वि न द
ॐ गी लो पा कु पा डि क पु व इ उ रि डि भ म
के डि ॥ नि भु न्न भ न क्षा प रे व भु न्न भु न्न भु
वि डु ड मे भ न भि ठा पु व ड ल न न भ ॥ ३ ॥
अ वि ड व ड ल क भ न्न डि डि : म गी रे वि भु न्न भ
न भ म्मि ले व य ने व नि ह भ ॥ वि न्न भु न्न भु न्न भ

ॐ
का वि क पा भ डे य प म्मि ड व भु न्न भु न्न भु न्न भु
ह ॥ ३ ॥ वि न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु
न भे यो वि वि वि वि वि म र : क रे डि ॥ वि न्न भु न्न
वि न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु
वि न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु
वि न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु
वि न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु न्न भु

विष्णु उवाच ॥ सुपेभिर्हविर्भक्षितं भक्षितं
 निष्कृष्टं भक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥ १ ॥
 कर्मभक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥ २ ॥
 विष्णु उवाच ॥ सुपेभिर्हविर्भक्षितं भक्षितं
 निष्कृष्टं भक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥ ३ ॥
 कर्मभक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥ ४ ॥
 विष्णु उवाच ॥ सुपेभिर्हविर्भक्षितं भक्षितं
 निष्कृष्टं भक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥ ५ ॥
 कर्मभक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥ ६ ॥

यं विष्णुं कथं त्विदं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥
 अचं कथं त्विदं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥
 चं कथं त्विदं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥
 कथं त्विदं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥
 भक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥
 भक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥
 भक्षितं भक्षितं भक्षितं भक्षितं ॥

कलेपमंनरुल्लेखिपुपादिदुगनिमंन
 निपडपरमेरपिडादुगनि॥ पुलेनेन
 उवकेभलडनिभाउरुधुधुनापरि॥
 भडिणनहिदुडे॥०॥ एतुपपुमिभउनेः
 भडिककभभुनिःमेधपमपएल्लिदु
 रनिमेधउ॥ कट्टुनिदेमिककएकभ

ॐ

भासुरे॥ कट्टुडिठवमिसधुवसेमीका॥०॥
 भऊपिडुप॥ वडीनवविदुभा॥ यमेडमिधु
 रमिडरकिडेवभट्ट॥ एकःभाएवउवनइव
 धऊगी॥ कऊरुडेभूरुडिपल्लुसंगीविनु
 पि॥०॥ येठवयट्टुभाडिवकिठिठंरुएल्ले
 गपुवभवउवनभभडेसंगीरुभा॥ डेल

॥ ५ ॥ अथ पुत्रिनरभाउरलएनीवं ॥ ५ ॥ दिठिः ॥ ५ ॥
 गवरेरभिकालक ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ यः भूटिका
 क ॥ ५ ॥ ५ ॥ भुकजठिक ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

॥ ५ ॥ अथ पुत्रिनरभाउरलएनीवं ॥ ५ ॥ दिठिः ॥ ५ ॥
 गवरेरभिकालक ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ यः भूटिका
 क ॥ ५ ॥ ५ ॥ भुकजठिक ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

५
 ५
 ५

[illegible]

कडेपि भक्त्युत्तरेण विष्णुन ननु कवीर ॥०५॥
 पुनश्च लक्ष्म्यभवा कडन विदेस जगत्पु
 नः परिभ्रष्टं कुरुप भूमि ॥ भूतदुष्टान भन
 भक्त्यविषय भवने संभविने इभा लैलेः भुल
 केपहाः ॥०७॥ इत्यदि कर्ममिनि डिगु
 केदमिभुं इमेडनमि भुक्तये पचन चले ॥१॥

30

हंशुडगभभलिलमिपिनिहभभुनिः
 भभ भवनिपिलं ह्युडयदिभुड ॥३०॥
 औधियदिपिभगडियभुडरिभं भुडभयंभि
 यददिचन भैभपड ॥ यडुडिभयुरनलेयड
 दनिगभुड ह्युडभभुडवकवल्भभुडयव ॥३०॥
 भभुडभभुडभयभगिभिलेभुडभनीवक

[illegible]

जीनभेमभंभारुपभाविस्तंदययापडुन
 भा॥सिकडुनोकिर...भंनडिरेवमहु...नि
 लंमभयिडु...निरायपिच...म
 जिःमगीरभपिदेवउभउरु...रुनेदियक
 ...भनभरुलभिडु...पेसुहभयडनभा
 वर॥निमडुंकिडुयडुवभिदेविमका...भे

लः॥५॥कुभेनिदडिमुपिउपयभिभूडि
 हुविडुलेभडउमडिउडिउमडिः॥हेभी
 डियःकिलकलःकलयडिविडुंउभं
 डिडुनउरमभुपदंडुमीयभा॥५॥वचहदं
 भदभुरे...मं...मीयंन...कुरेडिहदये
 ...गहुरे...उचडि...ल...ल...

तिलपूकारः ॥ ५६ ॥ पूतः ममयिने पूतयं
 नयति ॥ ५७ ॥ येदेवयानि पिद्वयनविद्व
 रमेकेवमनः कनममकुलमचठे मम ॥
 यवेनिचेष्टुडवकरमपद्वरुधुपचामि
 पचठिनय विनिरमनरुम ॥ ५८ ॥ कु
 लधुमतिधुमदी पूभापाधुमतेः कधु

म्वनपिडववेठवमधुयधुः ॥ मठगिराम
 धिनमकुडापववडं ममिधुडाकिलमय
 डिडिडिकिडहम ॥ ५९ ॥ कलपिकेडिड
 मिमधुधकडडडुवाधुवनेधुधवडी ममडे
 पदधिम ॥ ६० ॥ धुमधुनधुनडधुधकलीडडे
 पधुयडुवाधुधनडधुधवेठवडि ॥ ६१ ॥ वि

विशुद्ध

हुं धरं कडि मिदधर भक्षु के मिदधर भक्षु
 कडि मिदधर मिदधर भक्षु ॥ हुं धरं कडि मिदधर भक्षु
 वयं भक्षु भक्षु भक्षु भक्षु भक्षु भक्षु भक्षु भक्षु
 डिमिदधर ॥ ३ ॥ कडि मिदधर मिदधर भक्षु
 केमं ॥ धरं कडि मिदधर मिदधर भक्षु
 धरं ॥ ३ ॥ कडि मिदधर मिदधर भक्षु

भक्तलङ्घनभक्तः भक्तलङ्घनभक्ति ॥ १॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ २॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ३॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ४॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ५॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ६॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ७॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ८॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ ९॥
 भक्तिर्भक्त्युत्तमः भक्त्युत्तमः ॥ १०॥



विवराधुगुगधुधरभपरभाननद्विठवाधुवे
 एकरायदुडिगलिठनीलेहलमये॥मि
 वधुगधुयधुनठरविनधुयभउउं॥नभे
 यभैकभैयनठरउधुगुयभदभ॥भात
 ०दुलुदरधुनठरनभमपुलडिक॥धु
 दलुदुमधुःक॥गुलिठनीलेहलम

मभा॥मिरेपडरु॥धुव॥भागयकरु
 लिडे॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु
 भा॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु
 एन॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु
 यः॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु॥मिरेपडरु
 निरालेधुमेडःधरिलु०डिपगिधुवभिद

गीमदेयं वृत्तं तिथरभान्नं कुरुताम ॥ ३ ॥
 प्रियं ह्युक्तं मन्त्रीभक्तं कुरुतामः किमलं यं ॥
 मधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 मधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 मधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥

मधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 लक्ष्मणं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 मधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 निधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 मधुमैलं कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥
 चण्डिकां कुरुतामः कुरुतामः कुरुतामः ॥

३५

भा॥प्रभुलेकुडेठगवडिनकुहभुनडरं॥
भवभुंभुडनिदयिकपरभजेभरभुषि॥०॥
कलंभुभुभुंमभयभुडुडिभभरभं॥
पुनंभरभुदंविनयभुपदेमपिचकुषा
भा॥भुभांभनिचभपरभभुडुडिंभर
पुनभा॥विपिंविभुंभनःभरुलरान

नीभेचभुनयः॥०॥भलीनेमकेजडम
नरिरेडेविभुविठरे॥उडभुनगाभुभुनिव
भुनभगविभुभराडे॥सुडेमकेभचभुन
कलिडमिभुभुनन॥भुभंमिडिंयेगवि
भरडिभिरगाभुपरडभुभा॥०॥भराच
भरुनंविनयविमिरेभुदविठरं॥निरा

कुरु कुरु प्रदुतिमपरिष्ठितकनू **॥** मनि
 सैलेकनंनिरिष्ठिभाम्भदपद **॥** ठवेव
 मेकेपठवठवडीभेवठरुताम **॥** वेपु
 गुरुवेदुदुदुपिहृदयेडंमपुदुदु **॥** भुंभं
 भविदुभुंभुपिधननदगष्टगदने **॥** उदु
 सुनएउदुपिधनभाननननन **॥** भदु

भाम्भदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदु **॥** वि
 वेविदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदु **॥** ननि
 विविदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदु **॥** नलि
 के **॥** विविदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदु **॥** वि
 निवि **॥** विविदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदु **॥** नि
 दधभन **॥** विविदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदुदु

३७

यथाचडिभमम॥१३॥ अविहंलीनिहभम
 उभरिहं पारगदिहं॥१४॥ अलेडीलंहेकुंभुव
 डिमपु॥ पुडिगदनाम॥१५॥ गिरंहुंरंविह
 भविनउउंरंविहल्लनन॥१६॥ पदुंल्लु
 भविहवडिभउठनवडी॥१७॥ नगीरंकेह
 धुःपुहडिगमिउंलेवलभिडि॥१८॥ धापंहुःनं

वायंरुलयडिभुमंहुंनउडि॥१९॥ धुंरं
 ननेपिभुठवीउनदेदीरदपिउं॥२०॥ नगी
 गदहुंरंउवभमयकहेगिरिधुडि॥२१॥ पि
 उभउंहुंरंधुहदनुवरःभमृगुडि॥२२॥
 धुःपुहडिभिहंवनभापिहदभंविहल्लनडि॥२३॥
 उदधेडिहंनभपदिहयभेदहुंभम

मन्त्रेष्टीभतः उचकदमयाभविषिक्त
 गी॥१॥ भुक्तमन्त्रेष्टीभविषिक्त
 उचकदमयाभविषिक्त
 मन्त्रेष्टीभतः उचकदमयाभविषिक्त
 मन्त्रेष्टीभतः उचकदमयाभविषिक्त
 मन्त्रेष्टीभतः उचकदमयाभविषिक्त
 मन्त्रेष्टीभतः उचकदमयाभविषिक्त
 मन्त्रेष्टीभतः उचकदमयाभविषिक्त

विमन्त्रिष्यन्तः उचकदमयाभविषिक्त
 यत्तन्मन्त्रेष्टीभविषिक्त
 लयत्तन्मन्त्रेष्टीभविषिक्त
 विमन्त्रिष्यन्तः उचकदमयाभविषिक्त
 यत्तन्मन्त्रेष्टीभविषिक्त
 लयत्तन्मन्त्रेष्टीभविषिक्त
 विमन्त्रिष्यन्तः उचकदमयाभविषिक्त
 यत्तन्मन्त्रेष्टीभविषिक्त

जिह्वेति श्रीधर उवाच ॥ भुवनं विकल्पे
विष्णु भुवि दण्डि मते नवमी ॥ ३ ॥ निवृत्तं
वा जेष्ठं ममिभमयं ममयिनी ॥ ४ ॥ मम
दीक्षक मम ममिभमिभु ॥ ५ ॥ निवृत्तं
हं विष्णु ममिभमिभिलं ममिभ ॥ ६ ॥ मम
हं उवाच नवीक मम उवाच ॥ ७ ॥ मम

नीड मय यडिठ चट्टे वध उवाच ॥ ८ ॥ मम
भुवनं ममिभमिभिलं मम उवाच ॥ ९ ॥ मम
मम मम चट्टि मम मम मम मम ॥ १० ॥ मम
मम मम मम मम मम मम मम ॥ ११ ॥ मम
मम मम मम मम मम मम मम ॥ १२ ॥ मम
मम मम मम मम मम मम मम ॥ १३ ॥ मम
मम मम मम मम मम मम मम ॥ १४ ॥ मम

पुषभाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा
 उनुभभिक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा
 गगननेवदिषभा ॥ ३॥ पुषाभक्तुगिरिमभा
 भुदिउं ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा
 विउभुद्वयउं ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा
 उमठवनउं ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा

कर्णभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ ३१ ॥
 उविषयभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥
 भविउं ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥
 वदउं ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥
 भक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥
 विउं ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥ पुषाभक्तुगिरिमभा ॥

ॐ ति धातु मुहं मभ्यस्तम मभा
कुम ॥ ॥ ॐ धातु मभ्यस्तम मभा





[illegible]

विरिद्धिः भद्रिनुं विरमयडिलेकनविक
 लभा ॥ वरुहेनं मेरिः कवभाभिभद्रभू
 मिरभा ॥ दरः भं कु के नं ठ म्भ ठाभिउ कुल
 नविपिं ॥ ३ ॥ पुविहृनभउडिभिभमिद
 नेद्वीपनकरी ॥ एद्वीनं मेडुभुवकभक
 गद्वः भूडिभिरा ॥ मरिद्वीनं मिनुभमिपु
 ॥ निरुकाएकएकएकएक ॥ निभयनं मेद्वी

भुगिभुवरादभुठवडी ॥ ३ ॥ दमद्वः पाभिहृ
 भकयवरदेदेवउपु ॥ ३ ॥ भुमेकनैवभिभूक
 विउवरठोहठिनय ॥ ठवद्वउं म्भउं ठलभ
 भिमवरादुभमभिमि ॥ मरदेलेकनं म्भदि
 म्भउं उदेवनिभु ॥ ३ ॥ म्भउं म्भउं म्भउं
 ॥ म्भउं म्भउं म्भउं म्भउं ॥ म्भउं म्भउं म्भउं

भे
 ल
 ३१

द्येधुरविहभिकृष्णपरिवृत्ते॥भलिङ्गी
 येनीयेधव नवडिमिडुभलिङ्गीदिनि
 वक्रेभूक्षेपरभमिधधहहूनिलय॥
 लङ्गिहङ्गहङ्गकडिमनमिमननचलक
 मी॥ड॥भद्रीप्रलङ्गणेकभमिमिमिधुर
 लङ्गवदंभिडंभविधुनेहदिभकडभा

कमधुधरि॥भनेपिकुमयेभकलभभि
हिरकुलपधे॥भदभूनेपधेभकलभभि
हुविवदभि॥७॥धुपाण्णभानेसुर
युगलकुविगलिडेः॥धुपाङ्गुभिगुडी
धुनरभिनभाधुयभडभा॥धुपधुधु
भिंडलागनिठभधुधुवलये॥धुभधुधु

उडु भुपिधिलजकेकुदगिनि ॥०॥ य
 उडिः वीकडेः मिबयुवडिठिः भाडुठिरुपः ॥
 पूठिउठिः नभुः नवठिरवभुलभुव
 ठिः ॥ इयल्लुगिंमडुभुयल्लकलभु
 इवल्लय ॥ इरोपठिभुयल्लकलभु
 उः भवि ॥ उः ॥०॥ इययंभुयल्लकलभु

नमिगिकहेउलरिउं॥रुवीरुकरुउ
रुवमभिविरिक्किभुहुउयः॥यमल्लुके
हुल्लमभरल्लनयडिभनभ॥पुपडि
पुपुपभभिविरिमभभुल्लपल्लोभा॥१०३॥
नरंरुदीयंभंनयनविरभंनभभुल्ल॥
उवभभुल्लेकेपडडिभनपल्लडिमउ

लवनवल्गुपदमिं॥ ठण्डयेभनु
 कडिमिदम॥ मेवठवडी॥ निमिद्विभूय
 धुडक॥ डरमा॥ डूरलडगे॥ गुठीरठिवा
 पिचिदवडिभडंग॥ डूनभभी॥ ठ॥ भवि
 डीठिवा॥ मेममिभलिमिलठ॥ डूनमिठि॥
 रमिड॥ डुठिभुं॥ भड॥ वनिभा॥ डुडुयडि॥

य॥ भकडु॥ क॥ डुनं॥ ठचडिभडुं॥ ठडि
 धुठग॥ वयेठिवा॥ ये॥ वी॥ वन॥ क॥ म॥ ल॥ भे
 दभडुवे॥ ॥ ॥ डुडु॥ व॥ ठिभु॥ डुन॥ ड॥ व॥
 डीभरलिठि॥ दिमभच॥ धु॥ चो॥ भक॥ मि
 भलिभयं॥ भु॥ रडि॥ य॥ ठ॥ व॥ डु॥ डु॥ डु॥ न॥ ड
 रि॥ म॥ ल॥ डी॥ न॥ व॥ न॥ ॥ भु॥ डे॥ व॥ डु॥ व॥ डु॥

५३

कडि कडि नीच कः ॥ ३ ॥ भु
पंरि चं ॥ जय युग भय भुष्ट उदयो ॥
नरं भुष्टे दुरभा दिधेते भक्त पकलभा ॥
भभुः भेष्टे नय डिप निड ॥ ३ ॥ डि ल भु ॥
डिले की भेष्ट भुष्ट भय डि रवी च भु न युग
भ ॥ ३ ॥ किर डी भेष्टे हः किर निड

भुभा डिरभं ॥ हदि ह भय भुष्टे डि भक्त मिर
भुष्टि भिबवः ॥ भभय ॥ भभय डि मक्त
डायि पड ॥ भभय भुष्टे भुष्टे भुष्टे भुष्टे
पन्न भिभय ॥ ३ ॥ डि डि डि डि डि डि डि डि
नवे भुष्टे भय भुष्टे भुष्टे भुष्टे भुष्टे भुष्टे
ल न ड व कलभा ॥ भभय भुष्टे भुष्टे भुष्टे

उभयभयेनभनभा॥भनतुःपवृत्तेदय
 डिपरभाद्रदलदगीभा॥७॥कवनिहंम
 मेभवविउरमृष्टिंभरुन॥॥भित्तुंकाउ
 कवयडिठवर्गनेहमिडियः॥उदेवउडभे
 दिमभनिगभभयपमवो॥भुजभुके
 दुभुभुजलजीरलितपदभा॥७॥इय

हंकाभंभवभुवभिमिभुनभनभा॥मरी
 कवंमभुवभभिमिभुनभनभा॥७॥कव
 डिहंमभनभुलभन॥७॥भिनयन॥७॥
 मभुभनभंजुपिलममिभुनभुज
 लभा॥७॥भुनभुनभुनभुनभुनभुनभुन
 कपयडि॥७॥भिनभुनभुनभुनभुनभुनभुन

६३३

भुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
तिममिदं॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
कुलडिकयः॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
अत्र च भुवः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
अत्र च भुवः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
अत्र च भुवः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
अत्र च भुवः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥

वहुकलितकरीं भुवः॥ ३५॥ विरि
विः भावः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
नमः क्रीनमे इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
विडुमभुवः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
कमः इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥
इति मभुगयति॥ अत्र च भुवः इति मभुगयति॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 दशभुजः केशवः कृष्णः ॥ २ ॥
 भक्तभक्तियुक्तः ॥ ३ ॥
 परिल्लङ्घितः ॥ ४ ॥
 उद्वेगः भक्तलभः ॥ ५ ॥

[illegible]

यं नदिधरम॥ इमेव शङ्खनं धरि॥ म
 विडं विष्णुवधुध॥ विद्वान्द्वयं कुरुमिव सु
 वडिठवेन विद्वये॥ २५॥ उवाच सुमहो
 उधनममि कोटिपुडियरं॥ धरं मधुपदु
 धरिभिनिडधं धुंधरमिडं॥ यमगष्ट
 ठकुरधिममिधुधो नभविधये॥ निर

लेकेलेकेनिधमडिदिठलेकठवन
पिउतेतेतुमुभटिकविषयदेहेभएनकं॥
मिरंमेवेदेवीपेपिनिसमभएनहमविने॥
ययेःरुहुवाहुमविकिरमभउधभव
भि॥पिउताउवताविलभडिमकेगे
विलगडा॥३७॥भधमीलकुंविकमल

भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ४८ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ४८ ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ४९ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ४९ ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५० ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५० ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५१ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५१ ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५२ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५२ ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५३ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५३ ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५४ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५४ ॥
 भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५५ ॥ भक्तुं चैकगभक्तं ॥ ५५ ॥

२३ भुंतिवर्नं ॥ २४ ॥ इव गन्धर्व लभद भभय
 यत्नं भभय ॥ न व धुनं व न व भभय
 क भुवनं ॥ २५ ॥ भुवनं भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ २६ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ २७ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ २८ ॥ भुवनं भुवनं

३० भुवनं भुवनं ॥ ३१ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ ३२ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ ३३ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ ३४ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ ३५ ॥ भुवनं भुवनं
 भुवनं भुवनं ॥ ३६ ॥ भुवनं भुवनं

हृदि महेव लभन राणी विधिने ॥ ८३ ॥
 वरुणी भिन्नरूप लकवरी ठगडि भिन्न ॥ ८४ ॥
 धंरु चैव द्योतित भित्तवो ननु किर ॥ ८५ ॥
 जेड के भेन धुव वदन भेनु हल दरी ॥ ८६ ॥
 गीत ननु उभय लि भित्त भा भनु भर लि ॥ ८७ ॥
 प्रगलेः शो ठगु मलि जल दभ सु विगल

कै ॥ भगडे उव लं परि कभ डि भगु क द म मि
 भा ॥ मर भेरे य भिन्न म न क वि कि क ल क
 मि ॥ भगु भगु डि भगु म व न म क द म
 लि ॥ ८८ ॥ ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल
 उभा डि उव य ॥ डि डि डि डि डि डि डि डि डि डि
 ल ॥ ८९ ॥ म क ल ॥ वि भ ह भं भं भं भं भं भं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यमभिषेकः ॥ भगवत्पुत्रः परिभ्रमति
लकादिभक्तः ॥ १ ॥ इत्युक्तं किं हि पुन
नयनद्वयं भविष्यति ॥ २ ॥ इत्युक्तं भगव
कनकमणिः पतिपुत्रः ॥ ३ ॥ इत्युक्तं भगव
रत्नकोटिं गीतं भक्तिः ॥ ४ ॥ इत्युक्तं भगव
तिनिपुणः उग्रभिक्षुः ॥ ५ ॥ इत्युक्तं भगव

हुं इत्युक्तं भगवत्पुत्रः ॥ ६ ॥ इत्युक्तं भगव
भुक्तं भगवत्पुत्रः ॥ ७ ॥ इत्युक्तं भगव
भुक्तं भगवत्पुत्रः ॥ ८ ॥ इत्युक्तं भगव
भुक्तं भगवत्पुत्रः ॥ ९ ॥ इत्युक्तं भगव
भुक्तं भगवत्पुत्रः ॥ १० ॥ इत्युक्तं भगव
भुक्तं भगवत्पुत्रः ॥ ११ ॥ इत्युक्तं भगव
भुक्तं भगवत्पुत्रः ॥ १२ ॥ इत्युक्तं भगव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वतीमृष्टिभुवनं विभुन विमलसुखं
 उतुवमभवेकरयैगुविमलसुखं
 वीनंभक्तुभुवनंभक्तुभुवनं
 एकद्वयभक्तुभुवनंभक्तुभुवनं
 उभक्तुभुवनंभक्तुभुवनंभक्तुभुवनं
 वभक्तुभुवनंभक्तुभुवनंभक्तुभुवनं

म॥५॥मिनेनाल्लुदुग्गिभुवनंभुवनं
 भक्तुभुवनंभुवनंभुवनंभुवनं
 उ॥भक्तुभुवनंभुवनंभुवनंभुवनं
 न॥भक्तुभुवनंभुवनंभुवनंभुवनं
 म॥५॥भक्तुभुवनंभुवनंभुवनंभुवनं
 भक्तुभुवनंभुवनंभुवनंभुवनं

वल्लभल॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कलिले ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लयः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लेहलडय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मानवयिडे ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कल्लनपतड ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नं ह्यभिवा ॥ ५॥ अथ पलिकल्लेखन
 यन भेदुदमकिता ॥ विलीयतुते नि यत
 भनिभेधावुदगिक ॥ ६॥ यं म सुपिह सुदध
 एक वा दं उवल यं ॥ ७॥ द्वादि भुदुधे निम
 वविष्मदागुपु विनति ॥ ८॥ पविहीकुतुनः
 भमुपतिपदा पीनदुदये ॥ ९॥ दयगिधेते हेम

॥ वल्लभममिडिः ॥ नदः मे मे गङ्गा पनउ
 नये डि मममं ॥ हयं ॐ श्री गङ्गा पनयमिभ
 धुमभनय ॥ ५५ ॥ निमेषे मे पंहुं भूलयधुम
 संयगडि मगडी ॥ उवे हः भउ वरमि पन
 मं धुडनये ॥ उड मे धा हउं मगदिमभमेपं
 भूलयडः ॥ परिहउं मङ्गे परिहउ निमेष

धुवममः ॥ ५६ ॥ मङ्गा मङ्गा मङ्गा मङ्गा
 नीले हलकम ॥ मङ्गीयं मङ्गीनं भूपयडप
 यमभमिभमि ॥ मङ्गे नदं पट्टे वडि नम
 उड निमियड ॥ मङ्गे नदं मङ्गे मङ्गे
 निमडिदिममः ॥ ५७ ॥ मङ्गा मङ्गा मङ्गा
 मङ्गा मङ्गा मङ्गा मङ्गा ॥ मङ्गे नदं मङ्गे मङ्गे

ॐ नमः
 श्री गङ्गा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नरकमेव दुःखं दुःखम् ॥ तिरस्त्रीविषयसूच ॥ ५
वधुसुपुविस्वभवाद्गुह्यमस्ति विमतिमर
भक्तानेविषयं ॥ ५ ॥ भुक्तं दुःखं न भुक्तिद
मिदं दुःखं दुःखं न ले ॥ ५ ॥ भुक्तं भुक्तं भुक्तं
प्रीतिमं भक्तवत्सलम् ॥ ५ ॥ भुक्तं भुक्तं भुक्तं
भक्तवत्सलम् ॥ ५ ॥ भुक्तं भुक्तं भुक्तं

यमस्ति दुःखं ॥ ५ ॥ भक्तवत्सलम् ॥ ५
लुक्तीकमेव दुःखं ॥ ५ ॥ भक्तवत्सलम् ॥ ५
भुक्तं भुक्तं भुक्तं ॥ ५ ॥ भक्तवत्सलम् ॥ ५
भुक्तं भुक्तं भुक्तं ॥ ५ ॥ भक्तवत्सलम् ॥ ५
भुक्तं भुक्तं भुक्तं ॥ ५ ॥ भक्तवत्सलम् ॥ ५
भुक्तं भुक्तं भुक्तं ॥ ५ ॥ भक्तवत्सलम् ॥ ५

ल

इन्द्रा... क... भू... ॥ ल... भू...
य... न... वि... वि... ॥ य...
भौ... भू... वि... ॥ भ...
ह... भू... ॥ भ...
... ॥ भ...
... ॥ भ...
... ॥ भ...

वि... भू... न... भू...
ल... भू... भू... भू...
क... ॥ भू... भू... भू...
भ... भू... भू... भू...
भ... भू... भू... भू...
भ... भू... भू... भू...
भ... भू... भू... भू...

ॐ

[illegible][illegible]

नेत्रा मण्डलं लिङ्गद्वयेन भक्षणकः॥ भज
भुक्तेरभुपतिमामडिधधुनरादिदि॥ १७॥
सुप्रदेवकाएगभउतमभाभिहुकलमे॥ नम
ऊहभदेनगपडिपडाकेभनभिन्नः॥ भव
ऊहयभभविदिउवाभभभभ॥ उभभव
हृषिमिरदचमनहोह्रमलने॥ १८॥ वदइभ

अष्टममन्त्रस्तु भूतदि ॥ अष्टममन्त्रं भूत
 भूमिदिग्भलं बलदिक ॥ अष्टममन्त्रं भूत
 एतद्विदिग्भुः बलदिग्भुः ॥ अष्टममन्त्रं भूत
 भूतविदिग्भुः बलदिग्भुः ॥ अष्टममन्त्रं भूत
 भूतविदिग्भुः बलदिग्भुः ॥ अष्टममन्त्रं भूत
 भूतविदिग्भुः बलदिग्भुः ॥ अष्टममन्त्रं भूत
 भूतविदिग्भुः बलदिग्भुः ॥ अष्टममन्त्रं भूत

तेहो लक्षणं किमपि च न कीमि विभुते ॥
 विलक्षणं भिद्यो गिरि मन शन नं विलक्षण
 के ॥ ३ ॥ निभन की ॥ ४ ॥ धुधुन उद ठरे ॥ ५ ॥
 धुधुन भुधुन न ठरे ॥ ६ ॥ धुधुन धुधुन न ठरे ॥ ७ ॥
 धुधुन धुधुन न ठरे ॥ ८ ॥ धुधुन धुधुन न ठरे ॥ ९ ॥
 धुधुन धुधुन न ठरे ॥ १० ॥ धुधुन धुधुन न ठरे ॥ ११ ॥

कर्मभक्तः विदुः उच्यते ॥ अथ विदुः कर्मभक्तः कुरुते ॥
 कथं विदुः भक्तः कुरुते ॥ कुरुते ॥ कुरुते ॥
 उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥
 उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥
 उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥
 उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥
 उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥

१२ अं.

॥ ३३ ॥ विभीषणे पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ३४ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ३५ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ३६ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ३७ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ३८ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ३९ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः

॥ ४० ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४१ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४२ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४३ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४४ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४५ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४६ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः
॥ ४७ ॥ भूतान् पुनरप्यभिमन्युः वभूमती विभुः

[illegible]

नभेरहं हृदि च नमः श्री गणेशाय नमः ॥
 भद्रं कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु ॥
 हृदि यद्विदुः कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु ॥
 नः भद्रं कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु ॥
 हृदि यद्विदुः कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु ॥
 नः भद्रं कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु भद्रं कुरु ॥

मित्रं ददनं उडुमुलिउपडा ॥ उल केदिऊ
 लेः सित्रिकलिउभीमानरिभु ॥ ५७ ॥ भद
 डेफुडोनां भूपमभयमदेविविषयमं ॥ कयंमहि
 गीउं कं नरुमगी कदर उलम ॥ कयंका
 कमुहं भूपयभन कले भुरठिम ॥ यदभ
 वदुभुं कयमिदयभनेनभनभ ॥ ५८ ॥ नाप

इकड्डी उंकरकभलभद्वेमममिषि ॥ ५९ ॥
 उंदिहानं दभउ उपडेमडिगर ॥ कल
 विशुहेहकिमलवकरगु ॥ दयउं कदि
 देहेठडुं नियमनिमभदुयदमउ ॥ ६० ॥
 क ॥ कलेभउदुययकलिउरुजकरम ॥
 भिवेयंरिदु ॥ उवमर ॥ निलेननल

लङ्गः **व**हेतेनीः नउपावभुयः **भ्र**दिम
 उलं **व**वकुवेपकुडिडिरिभिमहुरि
 भवः **भ**भानोडः पकुंभमिभज्जवडम
 सुभमि **भ**यदउउहुभिभितकिरल्लुमि
 भम **भ**दपडिउउहुभुडिडलिउभम
 उविकं **भ**निरभुडुवकुं विरल्लुदयप

हेमदभिव **भ**य **भ**उभुभल्लुं **भ**दि **भ**द
 भिमहेसुरभुय **भ**मिवाभुल्लुय **भ**रुभद **भ**
 दिउ **भ**ल्लुद **भ**दः **भ**दुमी **भ**ल्लुद **भ**भं **भ**भुडिड
 लनल **भ**ल्लुद **भ**उय **भ**भगी **भ**भगी **भ**भगी **भ**भगी
 भंभे **भ**भुडिड **भ**भुडिड **भ**भुडिड **भ**भुडिड
 भिकर **भ**भुडिड **भ**भुडिड **भ**भुडिड **भ**भुडिड

७७
 ७७

五

कण्डरुं निविदिडं ॥ मङ्गलुहे नून पुडिदिन
 भिमं रिजु कुरुं ॥ विविदुपुडुयानि विविदुयडि
 उरुं वडुडु ॥ ७ ॥ भुदे देडुडुडि ॥ मिडिग
 भङ्गु विगडि ॥ निपटुं निटेडु भद्रमिडिभद्र
 ठावयुडियः ॥ किमङ्गलं ॥ इत्यनभभाडि
 ५ ॥ यडे ॥ भद्रभं वडुगि विमरयडिनी गणप

[illegible]

यद्विदुतेनिपिलनिगमेकमुडिपद ॥
 निगउद्विदुनिगमनिगममभुडिभि
 भ॥०॥३॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग
 लनविपि॥३॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग
 पेः५॥५॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग
 लविपिभेदिद्विभकरनौग ॥३॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग

भुवल्ननिगमभुडिगिभ॥०॥३॥ भुदी
 पदीयमभलेकउडेपिभभुगगउरंभम
 विगभुननिद्विभेउग॥३॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग
 भिद्विगिः॥३॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग
 यद्विः॥३॥ भुदीपहुलदिद्विभकरनौग
 दननेउगउनयभविगिभिद्विभकरनौग

उठवनि करवनि कज कुंडनि भजनि
उठुभसजे कने उठवनि ॥ १०५ ॥ ॥ ॥

उठि सीत भमदु विर मिठाया भोजन
कर्म पुत्रं मनु लै मका भुमा ॥ ॥ ॥

उठम भुम वरणा जभा ॥ उठुमा ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥





The Rājñī Stava

"AUM Śrī Mahārajñā-Bhagavatyaī! namo namaḥ |
Śrī devyaiḥ AUM yād-vād-aśārkaparimaṇḍita-
mūrtir-ekā siṃhāsana-sthiti-matī-suragair
vṛtāṃśa-devīm manakṣagatisīśuratām
prasannātām naumi-bhava-puṣaṃ paramārtha-
rājñīm || 1 || yat pādapaṅkaja-tale sarasūcamau
linyaseṇ sraṇīlamanī-mantatayaḥ patanti ||

ॐ

ॐ श्रीमद्गणेशाय नमः ॥ श्रीदेव्यैः
विष्णुसकलैः परमेश्वरैः कृष्णैः
भक्तैः शिवैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः
शिवैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः
भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः
भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः
भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः
भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः भक्तैः

श्रीगणेशाय नमः ॥ भित्तवरागिरिगिरिः ॥ १ ॥
 भद्रः सुखी भद्रमयी जगज्जलद्वारा ॥ २ ॥
 उं करभवेत् ॥ भद्राधुन ॥ ३ ॥
 भित्तवरागिरिगिरिगिरिः ॥ ४ ॥
 भद्रः सुखी भद्रमयी जगज्जलद्वारा ॥ ५ ॥
 उं करभवेत् ॥ भद्राधुन ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

三

डिभूठवेनठवरः॥भंभरपादपउडेभुवेमेसि
 यष्टुअयान्नमोवहमयगडिउभविपिःभा॥७३॥
 जीवःभूडापउकःभकडोभूयडि॥यकुडि
 मिनुननडिभूठवकुठवड॥पहृष्टुहृष्टुमि
 नपिकिडिभालभेलेगहृष्टुमयभनि
 विंभूभभुडंडाभा॥७४॥भयभुमीडिउप

येठवरदुष्टिभन्नेयकुडिगेडिमतलेभूठं
 भूठेव॥भूभभूवेतिनिबदंनयडाडिनमं
 गहृष्टुमिहिलेकलननीपलुनिचिलभु
 भा॥७५॥भेभभूडिभूभलभूठवःभूय
 डिभूडेमहृष्टुनयनभूनिमिडठवभ॥
 मिहंभूठजनयनेठलठेहृष्टुभूहृष्टुम

७३

मधुगिधुनिदलनयचने॥०॥कामोपदी
यनयनगुलप्रउदेकेभउंविचधपम
डेभलिभउरे॥॥विधुंलिभंवननमे॥मा
मंरुवेडिगुल्लीभभउरउगुलुडवालि
डेन॥॥भउरेवप्रउरभवननभय
गीचा॥॥उरुकेवगमभभयः॥येगी

वडिभगिलहुठवाडिभगंरुलीभभउ
ठउडिंविदवाडभहुम॥०॥कलकलभ
मिगिमेविदवाडिडीनमजिंधकठगडभ
डिउनडाभवेरुः॥यमननभउठरभूठ
वाडुभरुहुल्लीविडावयडभेभडिभग
रुद्धभ॥०॥भदपिभेठवडियहुली

उनेषु मजेन वानममउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 यउजुलनवगडिउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 दलनविदपउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 नहुनउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 भलभन ॥ नोदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 पनः भलभन ॥ नोदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥

डिह डिडिंकमलमयमउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 मविदपउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 मभविउदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 भ ॥ ५ ॥
 उंभनवयमं चोभिः ॥ ५ ॥
 भिनभ ॥ नोदुयमं चोभिः ॥ ५ ॥

कलानमस्तुभुविहम ॥३॥ भव्ययकीयमठि
वष्टिउमंभविहमः पूठवभदिउः भुदुमी
यकायः ॥ भव्यीठवहभरवरविला भिनीके
नुचरपयमलनविदय उगल्लु ॥३॥
गेकुदुठिः मउभदभुउउमेहयदेरभं
उलवउंक मभुमजः ॥ गल्लु उवाविप

भविभयदुविगीकडेलेविहम यउभ
लकगी ॥ भव ॥ भुजीठवठमलप्रव
भुकदमभभुजेविगमुयठुभभनठि
कुजेः ॥ भव्यकममिद वरेधरकुदुवउ
कुहकुठंविदयभंभुल्लुभुगल्लु ॥३॥
विभदभुकिर भुकवल् पदुभंमेधम

किमकरभुमिचिकुम्भः॥ कष्टेहलधुनर
 यस्तु॥ ७॥ भुमेवगालीविषकमनेधु
 भाधुदेम्भः॥ ८॥ गायत्रिभवणनैकर
 कष्टेभुमिहंभुपचनरिनीनयनभभु
 दः॥ ९॥ येययस्तुगिडभदुडभडनीनंगाली
 भुगभिभनभादुगिडभदुड॥ १०॥ यका

यमजनविषादभयिगभीयुः॥ धुधैः॥ भुग
 हडकडकमभुकेहै॥ नकेहकलडगव
 डगवभडिगाली॥ भुधमनिधुडुडुडु
 पद्वैः॥ ११॥ डानिधुडुडुडुडुडुडुडुडु
 भेडुडुयेनठुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडुडु
 दः॥ भचमठल॥ डिगलिडुडुडुडुडुडुडु

२०
 २१
 २२

इंमभङ्गकम् ॐ नमः शुभम् ॥ १ ॥ श्री भोक्त
भुक्तमभङ्गम् ॐ यययः शुभम् शुभम् शुभम्
दिग्दग्दिग्दग्ः ॥ यः भुक्तमभङ्गम् शुभम्
शुभम् शुभम् शुभम् शुभम् शुभम् शुभम्
भुक्तम् ॥ २ ॥ शुभम् शुभम् शुभम् शुभम्
शुभम् शुभम् शुभम् शुभम् शुभम् शुभम्

[illegible]

७३

कृष्णवत्सभवेष्टयष्टः कलेष्टिनभूमि
रभभदतिधुपभ॥ हष्टनकः भद्रनिर्ग
नविलेभनगप्रमष्टयुतेठवडभेमुठमय
गष्टी॥ ७३॥ नत्रतिरभुष्टरगष्टलेनये
यष्टुमष्टुनभूमिभमः धष्टष्टायष्टम
ष्टुभनिष्टलेडमष्टयगलिडग्रीगष्टी

कलेडममयीनभमेधनम॥ ७४॥ कलेष्टले
डिचलमकि॥ कलेष्टलेमडष्टमिभमन
विलेष्टिडमष्टगिष्टः॥ ७५॥ कलेष्टलेमडष्टमिभमन
गष्टी॥ ७६॥ कलेष्टलेमडष्टमिभमन
गष्टी॥ ७७॥ कलेष्टलेमडष्टमिभमन

कवचकवि विषयं कवचं भाष्यं दुर्गीतुता
 पिलकयं पूजाभगमिगहरीम ॥१॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 सुभाषिभनिले विडिभयुमकुभकुनभकुम
 भिरडवभभनरडु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 पहाडिभगलं ठन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 भूगभि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

द्विभीप्रभद्विभविगभूमलपूगनीरः ॥ ॥
 डेमठलनयनचलदमुदेदेगलं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दमभुयोधु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 डडिडभुडभोर ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 रः पूय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 डिठमदनेडुड ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

७३

भा॥ १॥ अक्षुचिभानगठकृत्वावत्वधेय
द्वयमक्षुन्ननडिल्लगतिभूमिहू॥ २॥
अपारवडरकुपुडलज्जाकरकादेवचानल
निर्माणंभूमिभिन्दिभ॥ ३॥ डंडेलये
वनडिमेडियकट्टिनधः भट्टः भड्डाण
लिङ्गभभिनेइभानम॥ ४॥ धूपेपिय

[illegible]

यद

यचभूदियुगानधुतेनैवधुकीनामले
सदलनेहभमकमडिंराल्लीभवतुकन
७सिधुपाभुदेठम॥२॥नचउडिवि
लघभेडिठवाडिवावेसकेयमडिनडि
ठभुनकपुवेगाउ॥भुधुधुभनमेभउ
ठभुनमिउधुधुंभमभरेणारंभिराहुः॥२॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

उरविभुडिगवाउनेककेकभंयेगनम
नविषेभुडिगिधुयधुः॥५॥भकयय
निलभुडिकदेधुनउधुभल्लीभदभुल्लय
नेडिउरवभुडिभ॥१॥नेभ्लीउठनडि
भरधुननेकापनंयधुमभदुल्लयगभु
७डिउरग७भ॥कभुनरभाडुडभनरेमि

ॐ
७७

कभुडिहृदयेवडाउनुपयेपुनपाउता
हृदीम॥१॥भहृदयेपरिउनेडिहृदये
भुदयेहृदयेविउरभहृदयेहृदये॥
भुदयेहृदयेविउरभहृदयेहृदये॥
हृदीमहृदयेहृदयेहृदयेहृदये॥
हृदीमहृदयेहृदयेहृदयेहृदये॥

डिभभिसंभुमिडंनमहृदयेहृदये
भयडिभभिसंभुमिडंनमहृदयेहृदये
हृदीमहृदयेहृदयेहृदयेहृदये॥
हृदीमहृदयेहृदयेहृदयेहृदये॥
हृदीमहृदयेहृदयेहृदयेहृदये॥
हृदीमहृदयेहृदयेहृदयेहृदये॥

मभारतगणपती॥५॥ अथ कलकविलये
करेडिभक्तकद्विपीदिबभक्तिंतिरुते
नदीरायसुदधपट्टलायनेतिउरैठ
प्रह्लयेगीकुडेरेएगंगेपूजेउगाली॥५॥
प्रह्लयेवेठचभभाऊकडेविषेडिंडाक
विहविहलिगेकरडिभूताय॥५॥

[illegible]

यमद्विभेवा ॥ चरणिगुदठनल्लभंल्लन
 नैल्लुपिनमयुडठनल्लनभवंम ॥ ५८ ॥
 म्भुभापेठवडिनेवभापयल्लनेद्वुडिग
 ल्वनिठवठठेगठल्लः ॥ भाद्वुप्रचल्लन
 उठमडिउगिगल्लुपिप्रल्लवडुमडुगिग
 निविहम ॥ ५५ ॥ भट्टंमंमभुपयडिभवमि

वल्लभभुवगवनिभभद्विठकीडिगील्लः ॥
 येनिहमैल्लडिठवडिभभडकठल्ले
 ल्लिभभउठवडुगिभभदिभभभ ॥ ५९ ॥
 डुगल्लुल्लमयडिमीधमावीवमीभुव
 वुयिनेभभडिभभभउठवडिठम ॥ ६० ॥
 वडिठेकिरडिकिल्लल्लल्लभभुवडि

**NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA**

(I) DSO 00001 6357
(II) DSO 00001 6358
(III) DSO 00001 6359

102
83
18
27

Record No.	Organization / Individual 6357, 6358, 6359
------------	---

Name of the Institution Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection III Rājñī Stotra	

Title of the Text I pañcasatvī	Bundle No:..... Acc. No./Manuscript No... 2048... I, II, III
Other Title II Saundaryalahri	
Author IV Kṛṣṇa Pāṇḍit II Śaṅkṛācārya	I (1-46), II (47-83), III (84-102) No. of Folios... 102... Pages... 204
Commentary yes	Size of Mss. (10.3 x 8.8) cms
Commentator Rāmacandra	Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others Missing portion NO
Language Sanskrit	Illustrations yes
Script Sharada	Complete/Incomplete Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Date of Manuscript	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Key words Stotra	Colour of Manuscripts cream
Subject Devī Stotra	Remarks good Binding.

31.03.06